हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, शुक्रवार 2 जनवरी 2026

तापमान

अधिकतम 15 .8 डिग्री
न्यूनतम 4 .2 डिग्री

11 नशा मुक्त घर नेम प्लेट अभियान का किया शुभारम्भ

12 नए साल पर पर 167 वाहन चालकों का चालान

शहर में आज

- अंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन
- रोडवेज डिपो में कर्मचारियों की मीटिंग

बिजली बाधित रहेगी

- 11 केवी प्राइड मार्केट में मरम्मत के चलते सुबह 11.00 से दोपहर 14:00 बजे तक सेक्टर।

गोवंश का सम्मान के साथ संस्कार, लगेगा सोलर और इलेक्ट्रिक संयंत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

■ करीब 2 करोड़ रुपये का टेंडर जारी, सुनारियां की ओर जेल रोड पर स्थित निगम की भूमि का चयन

नगर निगम ने गोशालाओं में मृत गोवंशों के सम्मानजनक, वैज्ञानिक और पर्यावरण अनुकूल निस्तारण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। निगम द्वारा मृत गोवंशों के दाह संस्कार के लिए सोलर और इलेक्ट्रिक आधारित आधुनिक संयंत्र स्थापित किया जाएगा। इसके लिए नगर निगम ने करीब 2 करोड़ रुपये का टेंडर जारी कर दिया है।

यह संयंत्र सुनारियां की ओर जेल रोड पर नगर निगम की भूमि पर लगाया जाएगा। जल्द ही योजना को पूरा किया जाएगा। शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित गोशालाओं में हर साल सैकड़ों गोवंशों की मृत्यु होती है। मौजूदा समय में मृत गोवंशों के निस्तारण की कोई स्थायी और आधुनिक व्यवस्था नहीं होने के कारण कई बार खुले में दफन या अस्थायी तरीकों का सहारा लेना पड़ता है। इससे

दुर्गंध, संक्रमण फैलने और पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। साथ ही धार्मिक और सामाजिक दृष्टि से भी यह स्थिति असहज मानी जाती है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार सोलर व इलेक्ट्रिक आधारित यह संयंत्र पूरी तरह आधुनिक तकनीक से लैस होगा। इसमें पारंपरिक गैस या ईंधन का उपयोग नहीं किया जाएगा, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से दाह संस्कार किया जाएगा। इससे कार्बन उत्सर्जन कम होगा और पर्यावरण को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचेगा। संयंत्र को इस तरह डिजाइन किया जाएगा कि कम समय में मृत गोवंश का सुरक्षित और गरिमापूर्ण अंतिम संस्कार किया जा सके। सुनारियां की ओर जेल रोड पर स्थित निगम की भूमि को इस संयंत्र के लिए इसलिए चुना गया है, क्योंकि यह स्थान शहर से उचित दूरी पर है और यहां पर्याप्त जगह उपलब्ध है। साथ ही शहर और आसपास की गोशालाओं से मृत गोवंशों को यहां तक लाना भी अपेक्षाकृत आसान रहेगा। निगम का मानना है कि इस स्थान पर संयंत्र स्थापित होने से पूरे नगर क्षेत्र को इसका सीधा लाभ मिलेगा। टेंडर प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण और स्थापना कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

गोशाला संचालकों ने सराहा, बोले

गोशाला संचालकों, पशु प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने नगर निगम के इस निर्णय का स्वागत किया है। उनका कहना है कि सोलर और इलेक्ट्रिक आधारित संयंत्र न केवल गोवंश के प्रति संवेदनशीलता दर्शाता है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक सराहनीय कदम है। निगम अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में जरूरत पड़ने पर इस तरह की व्यवस्था को और विस्तार दिया जा सकता है।

योजना को जल्द पूरा किया जाएगा, परेशानी नहीं होगी

निगम द्वारा मृत गोवंशों के दाह संस्कार के लिए सोलर और इलेक्ट्रिक आधारित आधुनिक संयंत्र स्थापित किया जाएगा। इसके लिए नगर निगम ने करीब 2 करोड़ रुपये का टेंडर जारी कर दिया है। यह संयंत्र सुनारियां की ओर जेल रोड पर नगर निगम की भूमि पर लगाया जाएगा। योजना पर जल्द आगामी कार्रवाई की जाएगी।
-डॉ. आनंद कुमार शर्मा, नगर निगम आयुक्त

खबर संक्षेप

एचटेट के आवेदन के लिए आधार कार्ड अनिवार्य नहीं

रोहतक। जिला सचिन गुप्ता ने बताया कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा संचालित करवाए जाने वाली हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट)-2025 के लिए आवेदन के लिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के मद्देनजर आधार कार्ड अनिवार्य नहीं है। अभ्यार्थी 4 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। उन्होंने नबताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने परीक्षाओं में आधार कार्ड को अनिवार्य नहीं किया है, बल्कि कहा है कि इसे पहचान के लिए स्वीकार किया जा सकता है। अभ्यर्थी अपने विवरण, फोटो, हस्ताक्षर, अंगूठे का निशान, लेवल, विषय के चयन (लेवल 2 व 3), जाति वर्ग, दिव्यांग श्रेणी व गृह राज्य में 4 व 5 जनवरी को ऑनलाइन संशोधन कर सकते हैं।

सब्सिडी पर टैक्ट्रर लेने को 15 तक करें आवेदन

रोहतक। सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के किसानों को सशक्त बनाने के लिए 45 हॉर्स पावर या उससे अधिक क्षमता के नए ट्रैक्टर की खरीद पर 3 लाख रुपये तक का अनुदान प्रदान किया जा रहा है। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा इस योजना के लिए 15 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए है। यह योजना अनुसूचित जाति के किसानों को कृषि कार्यों में आधुनिक यंत्र उपलब्ध करवाकर उनकी आय बढ़ाने एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। इस योजना के अंतर्गत लाभार्थियों का चयन जिला स्तर पर गठित जिला स्तरीय कार्यकारी समिति द्वारा किया जाएगा। चयनित किसान विभागीय पोर्टल पर पंजीकरण कर अपनी पसंद की कंपनी से मोलभाव करके ट्रैक्टर खरीद सकेंगे। उन्होंने किसानों से योजना का लाभ उठाने का आह्वान किया है।

कच्चा बेरी रोड पर एक फार्महाउस में दर्दनाक हादसा, दम घुटने से गई तीन की जान

दमघोंटू अंगीठी नए साल का जश्न मनाकर सोए, सुबह उठ नहीं पाए नेपाल के तीन युवक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

नए साल की खुशियां एक दर्दनाक हादसे में बदल गईं। शहर के कच्चा चमारिया रोड स्थित पटाखा फैक्ट्री के पास बने एक फौजी फार्म हाउस में कमरे के अंदर अंगीठी जलाकर सोने से तीन युवकों की दम घुटने के कारण मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। इस हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और हर कोई स्तब्ध रह गया। मृतकों की पहचान कमल, राज और संतोष के रूप में हुई है। तीनों की उम्र 20 से 22 वर्ष के बीच बताई जा रही है। तीनों युवक नेपाल के रहने वाले थे और सेक्टर-34 निवासी नरेंद्र पुत्र कर्मवीर के फौजी फार्म हाउस पर खाना बनाने का काम करते थे।

■ कमल, राज और संतोष फार्महाउस पर कुक का काम करते थे

पुलिस के अनुसार, तीनों युवक फार्म हाउस के एक कमरे में ही रह रहे थे। जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात फौजी फार्म हाउस पर नए साल के स्वागत में जश्न मनाया गया। फार्म मालिक नरेंद्र अपने दोस्तों के साथ पार्टी कर रहा था, जो देर रात तक चली। पार्टी के दौरान खाना-पीना और संगीत का दौर चलता रहा। देर रात पार्टी समाप्त होने के बाद नरेंद्र अपने घर चला गया। इसके बाद फार्म हाउस पर केवल तीनों नेपाली युवक ही मौजूद थे।

रोहतक। मौके पर जांच करतीं एफएसएल एक्सपर्ट डॉ .सरोज दहिया व पुलिस अधिकारी।

कमल का जन्मदिन भी था

बताया जा रहा है कि मृतकों में से कमल का जन्मदिन भी था। इसी वजह से नए साल की पार्टी खत्म होने के बाद तीनों युवकों ने आपस में अलग से छोटा सा जश्न मनाया। तीनों ने साथ बैठकर खाना खाया। ठंड अधिक होने के कारण उन्होंने कमरे के अंदर अंगीठी जलाई और सो गए। आशंका जताई जा रही है कि बंद कमरे में अंगीठी से निकली कार्बन मोनोऑक्साइड गैस धीरे-धीरे कमरे में फैल गई, जिससे तीनों की नींद में ही दम घुटने से मौत हो गई।

सुबह नहीं खुला दरवाजा

बुधवार सुबह जब काफी देर तक कमरे से कोई हलचल नहीं हुई तो आसपास के लोगों को शक हुआ। कई बार आवाज लगाने के बावजूद अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद दरवाजा खोला गया तो तीनों युवक अचेत अवस्था में पड़े मिले। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित किया। पुलिस द्वारा मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। नेपाल में रह रहे परिजनों के लिए यह खबर किसी बड़े सदमे से कम नहीं है। स्थानीय स्तर पर प्रशासन भी परिजनों से संपर्क साधने में जुटा हुआ है।

रोहतक। दो युवकों के फाइल फोटो।

एफएसएल टीम ने शुरू की जांच

घटना की गंभीरता को देखते हुए मौके पर एफएसएल एक्सपर्ट डॉ सरोज दहिया ने मौके का निरीक्षण किया। टीम ने कमरे के अंदर रखी अंगीठी, जले हुए कोयले और वेंटिलेशन की स्थिति की जांच की। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि कमरे में हवा के निकास की उचित व्यवस्था नहीं थी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

तीन युवकों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना मिलने पर सिटी थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच के लिए एफएसएल की टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए डेड हाउस भिजवा दिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।
-गुलाब सिंह, डीएसपी

पिस्तौल व दो कारतूस सहित बदमाश गिरफ्तार

■ कुख्यात निकला युवक पहले से ही पांच संगीन मामले दर्ज

रोहतक। पुलिस ने गश्त के दौरान एक युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक देसी पिस्तौल और दो कारतूस बरामद किए हैं। प्रभारी एवीटी एवं पीओ स्टाफ उप निरीक्षक रामबीर कुमार ने बताया कि सहायक उप निरीक्षक नवीन के नेतृत्व में पुलिस टीम नया बस स्टैंड महम के पास गश्त पर मौजूद थी।

खिडवाली का दीपक

इसी दौरान मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए महम-गोहाना रोड पर पावर हाउस खेड़ी, महम के पास एक युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। पूछताछ में युवक की पहचान दीपक उर्फ कमांडो पुत्र रामनिवास निवासी खिडवाली के रूप में हुई। नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके पास से एक देसी पिस्तौल और दो कारतूस बरामद हुए। इसके बाद आरोपी के खिलाफ थाना महम में केस दर्ज किया गया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास, स्नैचिंग और अवैध हथियार रखने सहित कुल पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से तीन मामले जिला रोहतक और दो मामले जिला सोनीपत में दर्ज बताए गए हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर अवैध हथियार की सप्लाई और अन्य आपराधिक गतिविधियों को लेकर पूछताछ करेगी।

कबूलपुर रोड पर सफेद पट्टी लगाने की मांग

■ ग्रामीण बोले, विभाग ने रोड पर तारकोल व रोड़ी की लेयर तो बिछा दी। सफेद पट्टी नहीं लगाई

लोग बोले- धुंध में हादसे का खतरा

रोहतक। कोहरे के इस मौसम में कबूलपुर गांव में रोड पर सफेद पट्टी नहीं लगी है। लोगों ने लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि तुरंत सफेद पट्टी लगाई जाए, नहीं तो किसी भी दिन कोई अनहोनी घटना घट सकती है। कबूलपुर के विकास का कहना है कि गांव से गुजरने वाली मुख्य ग्रामीण सड़क इन दिनों हादसों को दावत दे रही है। सड़क पर सफेद पट्टी (रोड मार्किंग) न होने के कारण कोई अनहोनी घटना हो सकती है। सरकार ने रोड पर तारकोल और रोड़ी की लेयर तो बिछा दी। लेकिन उस पर सफेद पट्टी नहीं लगाई। जिसकी वजह से वाहन चालकों को सड़क की दिशा और किनारे का अंदाजा नहीं लग पाता। सफेद पट्टी न होने के कारण कई छोटी-छोटी घटनाएं पिछले दिनों हो चुकी हैं। इसके बावजूद भी प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

स्वयंसेवकों ने दिव्यांगों व जरूरतमंदों लोगों की मदद का संकल्प लिया

सांपला। मॉडल संस्कृति स्कूल में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर गुरुवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी सुमन हुड्डा उपस्थित रहीं। उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवकों को सामाजिक कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया तथा जरूरतमंदों, वृद्धजनों एवं दिव्यांगजनों की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा दी। समारोह में खंड सांपला के सभी प्रधानाचार्यों ने शिरकत की। विद्यालय के प्रधानाचार्य संदीप नैन ने विद्यालय परिवार की ओर से मुख्य अतिथि एवं सभी गणमान्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया। संपूर्ण कार्यक्रम का सफल समन्वय मोहन, कार्यक्रम अधिकारी (एनएसएस) द्वारा किया गया। इस अवसर पर शालिनी, ललित, नरेंद्र एवं निशा भी उपस्थित रहे।

नशे की लत शरीर को कर रही खोखला : मोहन

रोहतक। पुलिस की नशा मुक्ति टीम द्वारा लगातार आमजन को नशे के खिलाफ जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में नशा मुक्ति टीम ने सैनी कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। सहायक उप निरीक्षक मोहन के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को नशे से होने वाले मानसिक, शारीरिक और आर्थिक नुकसान की जानकारी दी गई। सहायक उप निरीक्षक मोहन ने कहा कि नशा व्यक्ति को अंदर से खोखला कर देता है और उसे अपराध की ओर धकेलता है। नशे के कारण युवाओं का भविष्य अंधकार की ओर जा रहा है, जिसे रोकने के लिए समाज के हर वर्ग को एकजुट होना होगा। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों के व्यवहार में हो रहे बदलावों पर नजर रखें और समय रहते उन्हें सही दिशा दें। उन्होंने कहा कि कई युवा मनोरंजन के रूप में नशे की शुरुआत करते हैं, जो धीरे-धीरे लत में बदल जाती है।

■ नशा मुक्ति टीम ने सैनी कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल में चलाया जागरूकता अभियान

सर्दी का सितम बुधवार रात पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने बदला जिले का मौसम

बूंदाबांदी से रबी की फसलों को फायदा होने की संभावना

छह एमएम बारिश से औसत तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट, अब चलेगी शीत लहर

अमरजीत एस गिल ⏭ रोहतक

पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से बृहस्पतिवार अल सुबह नववर्ष पर रोहतक में 1.6 एमएम बरसात हुई। सुबह साढ़े पांच बजे रोहतक का तापमान 4.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बीते 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हुई है। ये सामान्य से 1.6 डिग्री कम है। बूंदाबांदी के बाद ठंड और बढ़ने से वीरवार को अधिकतम तापमान 15.8 डिग्री सेल्सियस को नहीं लांघ सका। पारा में 24 घंटे में 1.6 डिग्री सेल्सियस का बदलाव हुआ है। रोहतक ही नहीं अपितु हरियाणा के औसत अधिकतम तापमान में बुधवार की बजाय वीरवार को 3.1 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। न्यूनतम पारा भी आईएमडी चंडीगढ़ के मुताबिक एवरेज 3.6 डिग्री कम हुआ है। हरियाणा में गुरुग्राम सबसे ज्यादा ठंडा स्थान रहा। जहां न्यूनतम तापमान 3.6 रिकॉर्ड किया गया। आमतौर पर प्रदेश में दिसंबर के अंतिम सप्ताह में कड़ाके की सर्दी दौर शुरू होता है। लेकिन इस बार एक सप्ताह की देरी हुई है। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में हरियाणा में ठंड चरम पर होगी।

दिन में हवा चली तो रात को कोहरे की संभावना

चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के मुताबिक शुक्रवार 2 जनवरी राज्य में शीत लहर का दौर शुरू हो जाएगा। फोरकास्ट के मुताबिक 5 जनवरी तक उत्तर व उत्तर पश्चिमी शीत हवाएं चलेंगी। रात्रि के तापमान में गिरावट होगी। राज्य के कई हिस्सों में सुबह-शाम कोहरा पड़ेगा। अगर दिन में तेज हवाएं चली तो रात को पाला पड़ने की भी पूरी आशंका यूनिवर्सिटी के मौसम विभाग की तरफ से जताई गई है।

जिले में 1.10 लाख हेक्टेयर में गेहूं की बिजाई

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम में आया बदलाव रबी के लिए काफी फायदेमंद होगा। खासकर गेहूं के लिए। कम तापमान में ही फसल की बढ़वार सही होती है। अभी तक इतनी सर्दी नहीं हुई थी कि जिससे फसल की बढ़वार अच्छे से हो सके। कृषि विशेषज्ञों का कहना है गेहूं की पछेती किस्मों में जिन किसानों ने अभी तक पहली सिंचाई नहीं की है, वे ये काम जल्द से जल्द कर लें। क्योंकि सिंचाई के बाद ही फसल निरोगी होगी। ध्यान रहे कि इस बार जिले में तकरीबन एक लाख 10 हजार हेक्टेयर में गेहूं की बिजाई की हुई है। इसी प्रकार सरसों की बिजाई तकरीबन 20 हजार हेक्टेयर में की गई है। फसल इस समय फूल की अवस्था में है। किसानों ने सरसों सिंचाई भी इस समय करनी चाहिए।

बुजुर्गों और बच्चों को बीमार कर रहा मौसम

ठंड से बचने के लिए ऊनी कपड़े पहनें। कड़ाके की ठंड से लंबे समय तक बचने के लिए समय-समय पर आराम करें। हवा की दिशा का ध्यान रखें और अपनी स्थिति ऐसी रखें कि आप कम से कम जोखिम में रहें। ऐसे में इस मौसम में खुद को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है। ठंड का सबसे ज्यादा असर बच्चों और वृद्धों पर पड़ता है। ऐसे में इन्हें ज्यादा सतर्कता बरतने की जरूरत है। इन्हें घर से बाहर तभी निकलने दें,जब वे पूरी तरह से गर्मवस्त्र पहने हों। हालांकि जिला प्रशासन ने मौसम के मद्देनजर स्कूलों की 15 जनवरी तक छुट्टी की हैं।

ठंड पशुओं से बचाएं : *वहीं ठंड से पशुओं को बचाने के लिए उनके बाड़े को सूखा और हवा-रोधी (तिरपाल, बोरी से) रखें। फर्श पर पराली आदि बिछाएं। ताकि पशु फर्श से ठंड न लगे। सूरज निकलने के बाद ही पशुओं को उनके बाड़े बाहर निकालें।*

सिवाच संजीवनी अस्पताल
Main Gohana Road, Rajender Nagar, Rohtak-124001

DR. R.C. SIWACH
MBBS, MS (Ortho), DNB
MNAMS, Ph.D, FAMS
Ex. Director, BPSGMC Khanpur Kalan, Sonipat
Ex. Medical Superientendent, PGIMS, Rohtak
Ex. Head of Department, Orthopedics. PGIMS, Rohtak.
जोड़ बदलने का 33 वर्षों का अनुभव
5000 से अधिक घुटने व कुल्हे उपचार करने का अनुभव
डॉ. सिवाच को हरियाणा में सबसे ज्यादा और जटिल से जटिल जोड़ बदलने का अनुभव प्राप्त है और अब आप उनका लाभ उठा सकते हैं।
सभी तरह के जोड़ों के दर्द से छुटकारा पाएं
हरियाणा के एक्सपर्ट डॉक्टर की सलाह से
Wish You All Happy New Year 2026
हर मंगलवार फ्री कैंप जिसमें घुटने व कूल्हे के मरीज को मुफ्त परामर्श दिया जाता है।
आयुष्मान, ESI, हरियाणा सरकार के सभी PANEL और TPA पर उपलब्ध है।
Main Gohana Road, Rajender Nagar, Rohtak - 124001
Ph. 01262-299303, 8053535581, 7494949122
Email: siwachsanjeevanihospital@gmail.com

बच्चो, कल से शुरू हुए इस नए साल में एजुकेशन, टेक्नोलॉजी और गेमिंग में बहुत से बदलाव होने वाले हैं, जो तुम्हें बहुत पसंद आएंगे। इसमें तुम्हें ऐसे अनुभव मिलेंगे, जिसके बारे में तुमने सोचा भी नहीं होगा। कैसे होंगे ये एक्सपीरियंस और कैसे बदलेगी तुम्हारी लर्निंग-एंटरटेनमेंट और गेमिंग की दुनिया, तुमको यहां डिटेल में बता रहे हैं।

इस साल लर्निंग-गेमिंग में मिलेंगे नए-नए एक्सपीरियंस

अपकमिंग टेक्नोलॉजी
शिखर चंद जैन

बच्चो, नए साल की शुरुआत हो चुकी है। कल तुमने धूमधाम से न्यू ईयर सेलिब्रेट किया होगा। साल 2026 में तुम्हारे लिए बहुत कुछ नया होने वाला है। इस बारे में तुमको यहां डिटेल में बता रहे हैं।

एजुकेशन होगी टेक्नोफ्रेंडली

इस साल से तुम्हें स्कूल में पढ़ाई-लिखाई का एकदम नया और फ्रेश अनुभव मिलने वाला है। भारत सरकार ने घोषणा की है कि 2026-27 के शैक्षणिक सत्र से कक्षा 3 से ही सभी स्कूलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और कंप्यूटेशनल थिंकिंग (सीटी) को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। एआई आधारित ऐसे प्लेटफॉर्म्स का विस्तार होगा, जो स्टूडेंट्स की सीखने की गति और शैली के अनुसार पाठ तैयार करेंगे। एआई और सीटी पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई), आईआईटी मद्रास के एक्सपर्ट प्रोफेसर्स के साथ मिलकर इस दिशा में काम कर रहा है। नई नीति के तहत लंबे पाठों के बजाय छोटे, 5-10 मिनट के 'बाइट-साइज्ड' वीडियो और क्विज के माध्यम से पढ़ाई पर जोर दिया जाएगा।

अमेजिंग होगा लर्निंग एक्सपीरियंस

जिस तरह से और जिस गति से एआई, साइंस एंड टेक्नोलॉजी का विकास हो रहा है, आने वाले समय में तुम्हारा लर्निंग एक्सपीरियंस बहुत ही अमेजिंग होने वाला है। तुम्हारे स्कूल बैग में किताबों का बोझ कम होगा, क्योंकि अलग-अलग किताबों में मौजूद सारी जानकारी तुम्हें एक ही टैबलेट (टैब) में मिल जाएगी। होलोग्राम 3-डी तकनीक तुम्हें अनोखा लर्निंग एक्सपीरियंस देंगी। सोचो, इतिहास पढ़ते समय साक्षात 'महाराणा प्रताप' या 'महात्मा गांधी' का होलोग्राम (3-डी डिजिटल रूप) क्लास में आ जाए, तो कैसा लगेगा? विज्ञान के प्रयोगों के लिए तुम वर्चुअल रियलिटी हेडसेट का उपयोग करके आभासी लैब्स में केमिस्ट्री और फिजिक्स के एक्सपेरिमेंट्स कर सकोगे। पढ़ाई से जुड़ी तुम्हारी हर प्रॉब्लम, एआई ट्यूटर सॉल्व करेंगे। यह सब जानकर एक्साइटमेंट बढ़ रही है न! आने वाले समय में तुम्हारी स्मार्ट क्लासेज कुछ ऐसी ही होने वाली हैं।

कर सकोगे साइंस-टेक्नोलॉजी के नए-नए एक्सपेरिमेंट्स

अब तुम्हारे लिए विशेष 'एसटीईएम' यानी साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ्स के किट्स बनेंगे। ये किट तुम्हें विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और मैथ्स के कॉन्सेप्ट्स को मजेदार तरीके से सीखने में मदद करेंगी। कई कंपनियां इसे बनाने में लगी हुई हैं। इससे भविष्य में एसटीईएम किट के कई नए और अपडेटेड वर्जन तुम्हारे लिए आसानी से उपलब्ध होंगे। इन किट्स की मदद से तुम घर पर ही सौर ऊर्जा से चलने वाली कारें, रोबोटिक हैंड या मिनी सर्किट और भी बहुत कुछ बना सकोगे।

गेमिफिकेशन से बढ़ेगा अपनी पढ़ाई में इंटरेस्ट

आने वाले समय में तुम्हारे स्कूल प्रोजेक्ट्स 'क्वेस्ट' और 'मिशन' के रूप में होंगे, जहां अच्छा परफॉर्म करने पर तुम्हें बैज और रिवॉर्ड्स मिलेंगे। हालांकि अभी भी स्कूली बच्चों के लिए कई

बेहतरीन गेमिफिकेशन प्लेटफॉर्म्स उपलब्ध हैं, जो पढ़ाई को रोचक बनाने के लिए गेम मैकेनिक्स, जैसे पॉइंट्स, लीडरबोर्ड और बैज का उपयोग करते हैं। कुछ एडटेक कंपनियां गणित और विज्ञान जैसे जटिल विषयों को समझाने के लिए इंटरेक्टिव क्विज और विजुअल स्टोरी टेलिंग का उपयोग करती हैं। कई प्लेटफॉर्म शिक्षकों को गेमिफाइड क्विज और इंटरैक्टिव लेसन बनाने की सुविधा देते हैं। ऐसे और भी कई प्लेटफॉर्म्स भविष्य में तुम्हारे लिए उपलब्ध होंगे। इनके माध्यम से पढ़ाई-लिखाई में तुम्हारा इंटरेस्ट बढ़ेगा।

मजेदार होगा गेमिंग एक्सपीरियंस

बच्चो, आने वाले समय में तुम्हें महंगे गेमिंग कंसोल की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि अब तुम्हारे लिए क्लाउड गेमिंग आसानी से उपलब्ध होगी। तुम किसी भी डिवाइस पर इंटरनेट के माध्यम से सीधे हाई क्वालिटी गेम खेल सकोगे। साथ ही इमर्सिव गेमिंग में ऑगमेंटेड रियलिटी का उपयोग करके तुम अपने कमरे में ही डिजिटल पात्रों के साथ खेल सकोगे। इससे तुम्हारा फिजिकल मूवमेंट बढ़ेगा, जिससे तुम्हें इनडोर गेम्स में आउटडोर गेम्स के बेनिफिट्स भी मिलेंगे। सिमुलेशन और फार्मिंग जैसे गेम्स का चलन भी बढ़ेगा, जो तुम्हें रिलैक्स फील कराने में मदद करेंगे। *

एंटरटेनमेंट का अमेजिंग एक्सपीरियंस

सोचो जरा, अगर तुम्हें अपने फेवरेट कार्टून कैरेक्टर के पास जाकर उससे अपने हिसाब से एक्ट करवाने का मौका मिल जाए, तो कितना मजा आएगा! आने वाले समय में ऐसा हो सकता है। यानी कार्टून फिल्म देखने का तुम्हारा एक्सपीरियंस पूरी तरह बदलने वाला है। तुम वर्चुअली कहानी में तय कर सकोगे कि तुम्हारा फेवरेट सुपर हीरो या कार्टून कैरेक्टर आगे क्या करेगा? जैसे तुम्हारे कमांड देते ही वह शेर से लड़ेगा, दुश्मनों से फाइट करेगा या तुम चाहोगे तो वह फ्रेंडशिप कर लेगा। ऐसे मेटावर्स थीम पार्क आएंगे, जिसमें तुम 'वीआर चश्मा' लगाओगे और घर बैठे सीधे डिज्नीलैंड पहुंच जाओगे। फिर माउस से हाथ मिला सकोगे या उसके साथ झूला झूलने का आनंद ले सकोगे।

नया साल शुरू हो चुका है। इस साल अपनी खुशी बढ़ाने और आकर्षक व्यक्तित्व के लिए कुछ बातें जरूर अमल में लाओ। ये बातें तुम्हारी जिंदगी को आसान भी बनाएंगी। ये बातें कौन-सी हैं, जानो।

नए साल में अपनाओ ये बातें मिलेगी एक अलग खुशी

सलाह
विमला नागला

मेरे प्यारे नन्हे दोस्तो, नया साल शुरू हो चुका है। तुम नए साल में जरूर नए उत्साह-उमंग से सराबोर होगे। कल तुमने नया साल, अपने दोस्तों के साथ जरूर सेलिब्रेट भी किया होगा। बच्चो, नए साल के मौके पर मेरे मन में कुछ बातें हैं, तुमसे जरूर कहना चाहूंगी। वैसे तुम हर साल न्यू ईयर अपनी-अपनी प्लानिंग के अनुसार मनाते ही हो, इस बार अपनी प्लानिंग में हमारी बातें या कहो, रेजोल्यूशंस भी जोड़ो। मेरी बातें बहुत सरल सी हैं, इन्हें मानना बिल्कुल भी कठिन नहीं है। यकीन मानो, इसके परिणाम तुम्हें एक अलग तरह की खुशी देंगे, तुम्हारे व्यक्तित्व को एक नया और आकर्षक रूप देंगे। मेरी कौन सी बातें तुम अपने रेजॉल्यूशन में शामिल करो, जानो-

- रोज उगते हुए सूरज की खूबसूरती को कुछ देर जरूर निहारो, इससे ताजगी का अहसास होगा, शरीर में स्फूर्ति आएगी।
- प्रतिदिन कुछ समय पेड़-पौधों, फूलों,

पक्षियों संग बिताओ। यह संकल्प लो कि इस वर्ष पांच पौधे लगाकर उनकी पूरी देखभाल करोगे। ऐसा करने से तुम प्रकृति से जुड़ोगे, पर्यावरण को संरक्षित करोगे, इसके प्रति जागरूक होगे।
- नियमित योग-कसरत करोगे। यह बेहतर स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ और तेज मस्तिष्क का वास होता है।
- खास अवसरों पर अपने मित्रों-परिजनों को पत्र लिखोगे। ऐसा करने से लोगों से तुम्हारे रिश्ते मीठे और मजबूत बने रहेंगे।
- कुछ समय अपने बुजुर्गों के साथ बिताओगे। इससे बुजुर्गों का अकेलापन दूर होगा, उन्हें एक खुशी मिलेगी, तुम्हें भी उनका साथ भाएगा।
- सप्ताह में एक कहानी की पुस्तक पढ़ोगे। ऐसा करने से तुम्हें अच्छी शिक्षा मिलेगी, तुम्हारा भाषा ज्ञान बढ़ेगा।
- प्रतिदिन किसी एक की मदद या कोई एक भलाई का काम करोगे। यह आदत तुम्हें नेक इंसान बनाएगी।
- वर्ष भर अपनी पाठ्य-पुस्तकें, बस्ते, पढ़ाई की मेज को एकदम व्यवस्थित और साफ रखोगे। व्यवस्थित होकर रहने से हमारी जिंदगी आसान होती है।
- बेवजह किसी से भी नाराज नहीं होगे और न ही किसी से अनावश्यक बहस में पड़ोगे। तो बच्चो, तुम इन सभी बातों को एक संकल्प के रूप में अपनी डायरी में लिख लो और इनका ईमानदारी से पालन करो। शुरू में किसी नियम के निर्वहन में थोड़ी मुश्किल जरूर महसूस होती है, लेकिन बाद में कोई मुश्किल नहीं होती। बच्चो, 'जहां चाह वहां राह' निकल ही आती है। नए साल की तुम सभी को शुभकामनाएं ... *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

शिक्षाप्रद-रोचक कहानियां

बच्चो, तुम सब स्कूल तो जरूर जाते होगे। वहां तुमको अलग-अलग विषयों की जानकारी मिलती होगी। अपने दोस्तों के साथ खेलते भी होगे। हाल में ही तुम्हारे लिए अच्छी-अच्छी 68 कहानियों का एक संग्रह 'बचपन और स्कूल की मीठी-मीठी कहानियां' छपकर आया है। इसमें लगभग हर कहानी का बैकग्राउंड स्कूल से ही रिलेटेड है। इसमें तुमको कहीं अपने जैसे समझदार, पढ़ने में होशियार और दूसरों की मदद के लिए तैयार बच्चे मिलेंगे, तो कुछ में नटखट जंगली जानवरों पर रोचक कहानियां पढ़ने को मिलेंगी। संग्रह की पहली कहानी 'मिनी की दोस्त चींटियां' में तुम पढ़ोगे कि खेती के लिए नन्ही चींटियां भी कितनी महत्वपूर्ण होती हैं।

ईयरफोन लगाने की हैबिट कितनी नुकसानदेह होती है, इसे तुम 'ईयरफोन की आदत' कहानी में जान सकते हो। समझदारी से कठिन काम भी कैसे आसान हो जाते हैं, इसे तेजी लोमड़ी की मजेदार कहानी 'पेट का एसी' में पढ़ सकते हो। किताब की हर कहानी से तुमको कोई न कोई शिक्षा जरूर मिलेगी। इन्हें पढ़ने में बहुत मजा भी आएगा। *

किताब: बचपन और स्कूल की मीठी-मीठी कहानियां (बाल कहानी संग्रह), **लेखिका:** रेनू सैनी, **मूल्य:** 450 रुपए, **प्रकाशक:** वांग अकादमी, नई दिल्ली

हंसगुल्ले

रिंकू (टिंकू से) : तुम्हारी बेवकूफी वाली बातें सुन के मेरा दिमाग खराब हो गया है। मैं तुम्हारे घर जा रहा हूं।
टिंकू : अरे! तब तुम मेरे घर नहीं, मेरे मामा जी के घर जाओ।
रिंकू : क्यों?
टिंकू : क्योंकि वो दिमाग के डॉक्टर हैं।

टीचर : लड़के को अंग्रेजी में 'ही' और लड़की को 'शी' कहते हैं। अच्छा बताओ, कई लड़कों को अंग्रेजी में क्या कहेंगे?
गोलू (कुछ देर सोचने के बाद) : सर, जितने लड़के होंगे, उतने 'ही ही ही' कहेंगे।
-खुशी, बिलासपुर
-स्वप्निल, रायपुर

जीके क्विज-186

1. टी-20 क्रिकेट में चार हजार से अधिक रन बनाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर कौन बनी हैं?
2. लीप-ईयर में कुल कितने दिन होते हैं?
3. विश्व हिंदी दिवस कब मनाया जाता है?
4. आइजोल भारत के किस राज्य की राजधानी है?
5. किस देश को 'नीले आकाश की भूमि' के रूप में जाना जाता है?
6. सबसे हल्की गैस कौन-सी होती है?
7. कोशिका का पावर हाउस (पॉवर हाउस ऑफ सेल) किसे कहा जाता है?
8. सिक्कों का अध्ययन क्या कहलाता है?
9. किस जंतु को भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित किया गया है?
10. दिल्ली के वर्तमान उप राज्यपाल कौन हैं?

बच्चो, जीके क्विज-186 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-185 का उत्तर : 1.बंकिम चंद्र चटर्जी, 2. 1 जनवरी, 3.कोलकाता, 4.जर्मनी, 5.लियोनार्डो डिकैप्रियो, 6.मूसी नदी, 7.शैफाली वर्मा, 8.नागालैंड, 9.उत्तर प्रदेश, 10.मैथिली शरण गुप्त

जीके क्विज-185 का सही उत्तर देने वाले : मन्नत-कैथल, उर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, लालिमा-गरियाबंद, आयुष-कैथल, ओमदेव-मुंगेली, अनुप-रायगढ़, कबीर-हिसार, चीनू-रायगढ़, ज्योति-बैकुंठपुर, नीटू-सीतापुर, अंशुमन-दिल्ली

कहानी
डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'

ठिठुरती सर्दी में उस गरीब लड़के के पास पहनने के लिए स्कूल ड्रेस का स्वेटर नहीं था। इसके लिए उसे रोज स्कूल में डांट पड़ती थी। वैभव को जब यह बात पता चली तो उसने अपने पापा से कहकर उस लड़के की मदद करनी चाही। क्या नए साल में वैभव यह नेक काम कर पाया? एक प्यारी सी कहानी।

हैप्पी न्यू ईयर

नए साल का आज दूसरा दिन था। वैभव ट्रेन से उतरा तो ठंडी हवा से वह थर-थर कांपने लगा। दांतों ने किटकिटाना शुरू कर दिया। वैभव अपने पापा-मम्मी के साथ गुजरात से लौटा था। वहां तो सर्दी नहीं थी। मौसम बढ़िया था। समुद्र के किनारे हाफ बनियान और नेकर में उसने खूब धमा-चौकड़ी की थी। समुद्र की लहरों से खूब बातें की थीं। आती हुई लहरों को देखकर वह जोर से चिल्लाता, 'आओ, आ जाओ!' फिर लहरें वापस जाने को होतीं तो ताली पीट-पीट कहता, 'गो बैक.. गो बैक..!' समुद्र के तट पर ऐसा आनंद उसके लिए एकदम नया था। अभूतपूर्व शब्द का सही अर्थ वह यहीं समझा था। वैभव ने पहली बार समुद्र देखा था। पापा-मम्मी की ओर से उसके लिए यह नए साल का एक अद्भुत उपहार था।

समुद्र के किनारे खड़े वैभव ने आने वाले हर नए साल में कुछ नया देखने की फरमाइश भी पापा से कर दी थी। मम्मी ने हंसते हुए कहा था, 'हां.. हां.. बिल्कुल! ... लेकिन तुम्हें भी हर साल कुछ न कुछ नया कर दिखाना होगा, दिखाओगे न..?'

'बिल्कुल मम्मी.. प्रॉमिस।' वैभव यह कहते हुए चहक उठा था। उसने बड़ी ही प्यार जताते हुए मम्मी-पापा दोनों का हाथ पकड़कर कहा था, 'मैं जब बड़ा हो जाऊंगा तो ऐसे ही आप दोनों को घुमाने ले जाया करूंगा।' बहरहाल, अब जब वैभव मम्मी-पापा के साथ अपने शहर में वापस आया तो यहां ठंड कुछ ज्यादा ही बढ़ गई थी। एक तो जबरदस्त कोहरा, उस पर हड्डियां कंपाने वाली सर्द हवाएं। उसकी तो विंटर वेकेशन चल रही थी। इसीलिए पापा ने गुजरात घूमने का प्रोग्राम बना लिया था। वैभव को अब इस बात की जल्दी थी कि अपने सारे दोस्तों से मिलकर उन्हें अपनी यात्रा के किस्से सुनाए। 'चाय पीनी है क्या?' पापा ने वैभव को कांपते देख पूछा। वह सर्दी में अपने दोनों हाथ रगड़ते हुए बोला, 'नहीं, पापा। जल्दी से घर चलिए। मुझे रजाई में कछुआ बनना है।' सभी स्टेशन से बाहर आए। उनको बाहर आता देखते ही कई ऑटो वाले सामने आ गए। सहसा वैभव की निगाहें स्टेशन के बाहर बनी नेकी की दीवार पर पड़ीं। वहां हैप्पी न्यू ईयर का बड़ा-सा बोर्ड भी लगा था। बहुत सारे पुराने कपड़े भी टंगे हुए थे। उसकी ही उम्र का एक बच्चा उन कपड़ों में पता नहीं क्या खोज रहा था? इस बीच पापा ने एक ऑटो वाले को तय कर लिया था। वह वैभव से बोले, 'चलो बेटा।' पापा ने कहा तो वैभव के कदम जैसे वहीं ठिठक गए। 'क्या हुआ बेटे?' मम्मी ने उसे हिलाया, 'चलो न।' 'उस लड़के को देखो न पापा।' वैभव सामने की ओर देखते हुए बोला।

'हां, वह अपने साइज के कपड़े खोज रहा होगा।' पापा बोले।

'लेकिन... पापा वहां तो उसके साइज के कितने सारे कपड़े टंगे हैं। वह उन्हें कहां ले रहा है?' वैभव कुछ अचरज से बोला। 'चलो, उसी से पूछ लेते हैं, उसे क्या चाहिए?' पापा वैभव का मन भांपते हुए बोले। पापा उसे लेकर उस लड़के पास पहुंचे। वह लड़का पहले तो हिचका, लेकिन फिर उसने बताया कि वह नीले रंग का स्वेटर खोज रहा है। स्कूल में ड्रेस से मैचिंग स्वेटर न पहनने की वजह से उसे रोज डांट पड़ती है। कई बार वापस लौटने की सजा भी मिलती है। बातचीत में उसने अपने स्कूल और घर का पता भी बताया कि स्टेशन के पास ही बनी झुग्गियों में वह रहता है। उस लड़के ने यह भी बताया कि उसके पिता नहीं हैं। मां घरों में काम करती हैं। वैभव मचलते हुए बोला, 'पापा आप इसे नया स्वेटर दिला दीजिए न!'

'जरूर दिलाएंगे, केवल इसे ही नहीं, इसके जैसे अन्य बच्चों को भी हम लोग झुग्गियों में जाकर स्कूल ड्रेस के स्वेटर बांटेंगे, प्रॉमिस! हमने समझ लिया है, वह कहां रहता है?' पापा जब ऐसा बोले तो वैभव बहुत खुश हो गया।

पापा उस बच्चे से बोले, 'अब आप अपने घर जाओ। हम लोग आज ही आपके घर पर आएंगे।'

उस लड़के की आंखों में आंसू आ गए। वैभव ने उसे गले से लगा लिया और धीरे से कहा, 'माई डियर, हैप्पी न्यू ईयर।' उस बच्चे के मुख से कोई आवाज तो नहीं आई, लेकिन होंठ जरूर बुदबुदाए। वैभव बहुत खुश था। नए साल में यह कितना अच्छा और नया काम हो जाएगा। ठंड अब उसे बेअसर सी लग रही थी, क्योंकि उसके भीतर एक नेक काम की गर्माहट थी। *

कविता
राजेंद्र श्रीवास्तव

नया वर्ष यह आया

दो हजार पचीस गया अब,
नया वर्ष यह आया।
नव उत्साह-नई आशाएं
नई उमंगें लाया।
नए वर्ष में नया सीखकर
अपना ज्ञान बढ़ाएं।
नई-नई तकनीकों से हम,
परिचित होते जाएं।
अपने आस-पास का मनहर,
वातावरण बनाएं।
पानी की कीमत पहचानें,
पर्यावरण बचाएं।
घर, बाजार, शहर, विद्यालय
जहां कहीं भी पाएं।
मिलने वाले हर अवसर का,
मित्रो लाभ उठाएं।

अंतर बताओ

बच्चो, यहां पर न्यू ईयर सेलिब्रेशन से जुड़े दो चित्र दिए गए हैं। वैसे तो ये दोनों चित्र दिखने में एक जैसे हैं, लेकिन इनमें आठ अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट आठ अंतर खोजो।

उत्तर: 1.ऊपर बाईं तरफ टंगे बंदनवार में एक झंडी कम है। 2.बाईं तरफ लड़की के पैर के पीछे लगी फेंसिंग गायब है। 3.आगे बाईं तरफ यलो टी-शर्ट वाले लड़के की टी-शर्ट पर फ्लावर प्रिंट नहीं है। 4.पीछे वाले लड़के की टी-शर्ट पर पॉकेट बना हुआ है। 5.ऊपर दाईं तरफ सूरज चमक रहा है। 6.ऊपर दाईं तरफ वाले बैलून का कलर अलग है। 7.आगे दाईं तरफ लाल फ्रॉक वाली लड़की ने कैप पहना हुआ है। 8.एकदम दाईं तरफ खड़े लड़के के जूते अलग रंग के हैं।

चित्र पूरा करो

नया साल शुरू हुआ तो बच्चों ने कॉलोनी के पार्क में न्यू ईयर सेलिब्रेट किया। यहां इस सेलिब्रेशन का आधा-अधूरा चित्र दिया गया है। दाहिनी तरफ इस चित्र के कुछ कट-आउट्स दिए गए हैं। तुम चित्र और कट-आउट्स को ध्यान से देखो और सभी कट-आउट्स को सही जगह लगाकर चित्र पूरा करो।

उत्तर : 1-B, 2-A, 3-C, 4-D

खबर संक्षेप

रोहतक। बच्चों के साथ केक काटकर नव वर्ष मनाते जिला कार्यक्रम अधिकारी दीपिका सैनी ,जिला बाल संरक्षण अधिकारी कुलदीप सिंह व अन्य स्टाफ।

संस्थानों में मनाया गया नववर्ष उत्सव

रोहतक। जिला की बाल देखरेख संस्थानों में नव वर्ष उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। नये साल की शुरुआत संस्थानों में रह रहे बच्चों के साथ केक काटकर की गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी दीपिका सैनी ने बच्चों को संदेश दिया कि नया साल सिर्फ़ कैलेंडर बदलने के बारे में नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन को एक नई दिशा देने का अवसर है। यह नई ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने का समय है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी कुलदीप सिंह ने अपने संदेश में बच्चों से कहा कि हम सब मिलकर इस नए साल को अपने और समाज के लिए बदलाव का साल बनाएं। दीपिका सैनी ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि नए साल का आगाज हो गया है। यह एक नई शुरुआत, नई उम्मीदों और सकारात्मक ऊर्जा के साथ जीवन को एक नया मोड़ देने का अवसर है। आत्मविश्वास ही सफलता की पहली सीढ़ी है। सफलता की चाबी, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प में है। सपनों को पाने की चाहत, मेहनत को अपना साथी बना लेती है। हर सुबह एक नया अवसर है, बस खुद पर विश्वास रखो।

पशुधन बीमा योजना का लाभ उठाएं पशुपालक

झज्जर। हरियाणा सरकार द्वारा

प्रदेश में पशुधन को जोखिम से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से पंडित दीन दयाल उपाध्याय सामूहिक पशुधन बीमा योजना क्रियांवित की जा रही है। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने जिले के पशुपालकों से आह्वान किया है कि वे योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाते हुए अपने पशुधन का बीमा अवश्य करवाएं। उन्होंने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य पशुपालकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में उन्हें वित्तीय क्षति से बचाया जा सके।

नव वर्ष के पहले दिन एमडीयू से की नशे के खिलाफ नई पहल

कुलपति ने ग्रामीण क्षेत्र में नशा मुक्त घर नेम प्लेट अभियान का किया शुभारम्भ

- केंद्रीय मंत्री ने एमडीयू की इस पहल को सराहा
- अभियान राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी मॉडल के रूप में उभर रहा

एमडीयू द्वारा संचालित नशा मुक्त घर अभियान के अंतर्गत आज ग्रामीण रोहित, रमेश चंद्र और राजेश के घरों में नशा मुक्त घर की नेम प्लेट लगाई गई

माडौदी रांगड़ान गांव में नशा मुक्त समाज बनाने के लिए ध्वजवाहक बनने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय (एमडीयू) के कुलपति प्रो. राजबीर के नेतृत्व में आज माडौदी रांगड़ान गांव में ग्रामीण घरों में नशा मुक्त घर नेम प्लेट लगाने के अभियान का शुभारम्भ किया गया। कुलपति ने इस दौरान ग्रामीणों से नव वर्ष पर नशा मुक्त समाज के ध्वजवाहक बनने का आह्वान किया। एमडीयू द्वारा संचालित नशा मुक्त घर अभियान के अंतर्गत आज ग्रामीण रोहित, रमेश चंद्र और राजेश के घरों में नशा मुक्त घर की नाम प्लेट लगाई गई।

यूनिवर्सिटी आउटरीच के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में नशा मुक्ति के खिलाफ व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में कुलपति प्रो. राजबीर ने कहा कि नशा समाज और विशेषकर युवाओं के भविष्य के लिए एक गंभीर खतरा है। इससे निपटने के लिए शिक्षा संस्थानों, पंचायतों और आम नागरिकों को मिलकर निरंतर प्रयास करने होंगे।

कुलपति प्रो. राजबीर ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज की सामाजिक संरचना को भी कमजोर करता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें।

रोहतक। नशा मुक्त घर की नाम प्लेट लगवाते कुलपति प्रो राजबीर सिंह। फोटो : हरिभूमि

नशे को लेकर बोले कुलपति

- नश है नाश की जड़ इसे मिटाने के लिए आगे आएं आमजन
- अपने परिवारों को नशा मुक्त रखने तथा गांव को नशा मुक्त बनाने का सामूहिक संकल्प ग्रामीणों को दिलवाया

अनूठी पहल

कुलपति प्रो राजबीर के दिशा-निर्देशन में चलाया जा रहा नशा मुक्त घर अभियान देश में एमडीयू द्वारा शुरू की गई एक अनूठी पहल है, जिसकी सराहना पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की जा चुकी है। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल भी एमडीयू की इस अभिनव पहल की खुले मंच से प्रशंसा कर चुके हैं। यह अभियान अब राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावी मॉडल के रूप में उभर रहा है। इससे निपटने के लिए शिक्षा संस्थानों, पंचायतों और आम नागरिकों को मिलकर निरंतर प्रयास करने होंगे।

ग्रामीणों को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया

कार्यक्रम में माडौदी रांगड़ान सरपंच मौसम, सरपंच पति बिजेन्द्र, माडौदी जाटान सरपंच अनूप , गिरेंद्र सिंह, वीरेंद्र शास्त्री, रमेश , ईश्वर, आजाद तथा सुरेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। एमडीयू की ओर से चीफ कंसलटेंट आउटरीच प्रो. राजकुमार, निदेशक यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रो अंजू धीमान, सीडीएस निदेशक प्रो प्रतिमा देवी, डिप्टी डीएसडब्लू प्रो. सोनू, प्रो समुन्दर कौशिक, प्रो कर्मवीर श्योकंद, प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस सुनील जागलान, निदेशक युवा कल्याण डॉ. प्रताप राठी और पीआरओ पंकज नैन ने कार्यक्रम में भाग लिया और ग्रामीणों को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने नशे से दूर रहने, अपने परिवारों को नशा मुक्त रखने तथा गांव को नशा मुक्त बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम में एमडीयू के अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। अभियान के दौरान नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी भी दी गई। एमडीयू का यह नशा मुक्त घर अभियान गांव-गांव तक नशा मुक्ति का संदेश पहुंचाकर समाज में सकारात्मक और स्थायी बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

दुहन स्कूल जसिया में हवन से नव वर्ष का आगाज

रोहतक। दुहन पब्लिक स्कूल जसिया के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवकों ने नववर्ष 2026 की शुरुआत विद्यालय परिसर में हवन समारोह का आयोजन कर श्रद्धा और उत्साह के साथ की। कार्यक्रम का आयोजन सुबह 11 बजे किया गया, जिसमें विद्यालय परिवार के सदस्यों और एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया। हवन के माध्यम से शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और सामाजिक सद्भाव की कामना की गई। यह आयोजन विद्यालय के निदेशक डॉ. अशोक दुहान, कार्यकारी निदेशक सुनीता दुहान, प्रधानाचार्या अनु राणा एवं विद्यालय सचिव संतोष मलिक के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक दायित्वों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। एनएसएस शिविर की समस्त गतिविधियों का सफल संचालन कार्यक्रम अधिकारी वर्षा अंतिल द्वारा किया गया। उन्होंने स्वयंसेवकों को सेवा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

एनएसएस शिविर का समापन

रोहतक। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सांपला में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर का समापन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी सांपला सुमन हुड्डा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में सांपला ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्यगण की गरिमामयी उपस्थिति रही। एनएसएस अधिकारी मोहन बिसला ने स्वयंसेवकों को अनुशासन, सेवा एवं राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि सुमन हुड्डा ने एनएसएस स्वयंसेवकों के सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। विद्यालय के प्राचार्य संदीप नैन ने शिविर की सफलता के लिए सभी अतिथियों, शिक्षकगण एवं स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने सामूहिक भोज के साथ शिविर का समापन किया।

कांग्रेस, भाजपा से हर वर्ग दुःखी: कन्हेली

- महापुरूषों का अपमान इनेलो किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं
- 14 फरवरी को होगा प्रदेश में ऐतिहासिक बदलाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते इनेलो के प्रदेश सचिव मंजीत कन्हेली।

इनेलो के प्रदेश सचिव मंजीत कन्हेली ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने टेबल के नीचे से भाजपा के साथ हाथ मिलाया हुआ है और प्रदेश के भाईचारे को तोड़ने का षड़यंत्र रचा जा रहा है, जिसे इनेलो पार्टी किसी कीमत पर बर्दाशत नहीं करेगी। उन्होंने राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगडा द्वारा महापुरूषों को लेकर दिए गए बयान की कड़े शब्दों में निंदा की और कहा कि पूर्व उपप्रधानमंत्री स्व. ताऊदेवीलाल ने ताउम्र किसान व कमेरे वर्ग व सर्वसमाज के हित में काम किया है। उन्होंने चेताया कि महापुरूषों का अपमान किसी कीमत पर बर्दाशत नहीं किया जाएगा। वीरवार को इनेलो प्रदेश सचिव मंजीत कन्हेली मैना पर्यटक केन्द्र में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जानबूझ कर ऐसे लोगों को हुड्डा ने टिकट दी, जिन्हें लोग पंसद ही नहीं करते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सीएम ने जेल जाने के डर से ही प्रदेश में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनवाई है। इनेलो प्रदेश सचिव मंजीत कन्हेली ने कहा कि 14 फरवरी को प्रदेश में इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला के जन्मदिन पर प्रदेश में ऐतिहासिक बदलाव होगा।

एमडीएस स्कूल के छात्रों ने ली मिल की जानकारी

- शुगर मिल पहुंचकर समझी गन्ने से चीनी बनाने की प्रक्रिया
- तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी देवीलाल ने 20 दिसंबर 1988 को महम में बनवाई थी सहकारी चीनी मिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

एमडीएस पब्लिक स्कूल मदीना के विद्यार्थियों ने महम चीनी मिल का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा के बाहर वास्तविक जीवन से जोड़कर औद्योगिक प्रक्रिया, जल संरक्षण, इतिहास और धरोहरों के महत्व के बारे में व्यावहारिक रूप से जागरूक करना रहा। विद्यार्थियों ने शुगर मिल में गन्ने से चीनी बनने की प्रक्रिया, मशीनरी संचालन तथा कारखाने के सुरक्षा नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। वहीं महम बावड़ी के भ्रमण से बच्चों को इतिहास, स्थापत्य कला, जल प्रबंधन और प्राचीन काल की संरचना के बारे में जानने व समझने का अवसर मिला। विद्यालय के डायरेक्टर डॉ. जितेंद्र दांगी ने बच्चों को बताया कि महम में स्थित शाहजहां की बावड़ी शहर की ऐतिहासिक इमारत है। यह बावड़ी प्राचीन समय में पेयजल की जरूरत को पूरा करने के लिए बनवाई गई थी। इस बावड़ी को जानी चोर की बावड़ी भी कहा जाता है। बताते हैं कि यहां पर जानी नाम का एक चोर रहता था। वह चोरी की वारदात को अंजाम देकर इस बावड़ी में छिप जाता था। इस बावड़ी का निर्माण शाहजहां काल में किया गया था। इसलिए इसको शाहजहां की वाबड़ी कहा जाता है। शाहजहां के छत्रप सैदू कलाल ने इसको 1658-59 ई में बनवाया था।

महम। महम चीनी मिल का शैक्षणिक भ्रमण करते एमडीएस स्कूल मदीना के विद्यार्थी।

छात्रों को किया प्रेरित

डॉ. जितेंद्र दांगी ने बच्चों को बताया कि महम चीनी मिल एक सहकारी चीनी मिल है, जो किसानों के आपसी सहयोग और हिस्सेदारी से चलती है। महम चीनी मिल का निर्माण तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी देवीलाल ने 20 दिसंबर 1988 को करवाया था। उस वक्त मुख्यमंत्री चौधरी देवीलाल महम विधानसभा से विधायक थे। प्रिंसिपल संजू ने कहा कि ऐसे शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान, आत्मविश्वास व सीखने की क्षमता को मजबूत बनाते हैं।

केवीएम नर्सिंग कॉलेज में उत्साह के साथ मनाया नववर्ष

रोहतक। केवीएम नर्सिंग कॉलेज में नववर्ष 2026 के अवसर पर नववर्ष महोत्सव का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के डायरेक्टर कर्मवीर मायना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर कॉलेज की प्रिंसिपल प्रोफेसर ज्योति शर्मा सहित समस्त स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। महोत्सव के दौरान डायरेक्टर कर्मवीर मायना ने सभी स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नववर्ष की शुरुआत सभी छात्र नए उत्साह, सकारात्मक सोच और समर्पण के साथ करें। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज की प्रिंसिपल प्रोफेसर ज्योति शर्मा ने विद्यार्थियों को नववर्ष के अवसर पर संकल्प दिलवाया कि वे पूरी मेहनत, लगन और अनुशासन के साथ अध्ययन करेंगे तथा अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने कहा कि अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा ही सफलता की कुंजी है।

ओबीई को बताया उच्च शिक्षा की आधारशिला

- परिणाम-आधारित शिक्षा पर एमएमटीटीसी, यूजीसी बीपीएसएमवी एवं वैश्य महाविद्यालय का संयुक्त अल्पकालिक पाठ्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

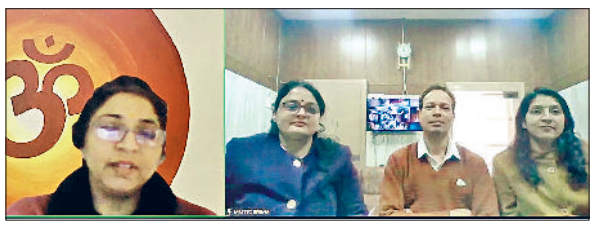

एमएमटीटीसी, यूजीसी–बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां ने वैश्य महाविद्यालय के सहयोग से 24 से 31 दिसंबर 2025 तक परिणाम-आधारित शिक्षा पर एक अत्यंत उपयोगी एवं परिवर्तनकारी अल्पकालिक पाठ्यक्रम का सफल आयोजन किया। यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की भावना के अनुरूप उच्च शिक्षा में गुणवत्ता, नवाचार एवं उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग (झारखंड) के कुलपति डॉ. सीबी शर्मा के प्रेरक मुख्य भाषण से हुआ, जिसमें उन्होंने ओबीई को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की आधारशिला बताया। उद्घाटन सत्र में बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां के कुलपति प्रो. डॉ. सुदेश छिकारा, एमएमटीटीसी की निदेशक डॉ. शफाली नागपाल,

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर गीता गुप्ता, डॉ. उन्मेष मिश्रा तथा डॉ. विनीत बाला की गरिमामयी उपस्थिति भी रही, जिनका सहयोग कार्यक्रम की सफलता में उल्लेखनीय रहा। यह अल्पकालिक पाठ्यक्रम निस्संदेह शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण उपकरणों, नवाचारी दृष्टिकोण एवं परिणामोन्मुखी सोच से सुसज्जित करने में सफल रहा है।

वैश्य एजुकेशन सोसाइटी के प्रधान विकास गोयल, वैश्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. फूल सिंह तथा पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. संगीता गुप्ता ने अपने सारगर्भित वक्तव्यों से कार्यक्रम को दिशा प्रदान की।

सहकारी बैंक में नेतृत्व विकास कार्यक्रम आयोजित

रोहतक। हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रबंधन लिमिटेड (हरकोपं) की ओर से केन्द्रीय सहकारी बैंक रोहतक के प्रांगण में सहकारिता का विकास विषय पर नेतृत्व विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्रीय सहकारी बैंक रोहतक के चेयरमैन हरिश कौशिक ने की, जबकि सतीश रोहिला, प्रिंसिपल सीसीएम रोहतक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सत्यनारायण यादव, सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी हरकोपं पंचकूला वृत कार्यालय रोहतक तथा शिक्षा अनुदेशक अर्चना देवी द्वारा किया गया। उन्होंने हरकोपं की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सहकारी आंदोलन को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए कुशल और जागरूक नेतृत्व का उभरना बेहद आवश्यक है। बिना मजबूत नेतृत्व के कोई भी सामाजिक या आर्थिक आंदोलन सफल नहीं हो सकता। पूर्व महाप्रबंधक वेदप्रकाश ने कहा कि सहकारी संस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने में पारदर्शी और जिम्मेदार नेतृत्व की अहम भूमिका होती है। अतिथि वक्ता सुधीर वर्मा ने नेतृत्व विकास के गुणों पर विस्तार से जानकारी दी।

घने कोहरे में सुरक्षित यात्रा के लिए सावधानी से वाहन चलाएं

आईएचटीएम ने वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाकर दिया 'जीवन अनमोल' का बेशकीमती संदेश

शोधार्थियों व विद्यार्थियों ने मिलकर वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप चिपकाने का अभियान चलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट (आईएचटीएम) ने सर्दियों में घने कोहरे के दौरान यात्रा सुरक्षा को लेकर एक प्रभावी जागरूकता पहल की। संस्थान के फैकल्टी सदस्यों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने मिलकर वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप चिपकाने का अभियान चलाया, ताकि कम दृश्यता (लो विजिबिलिटी) की स्थिति में सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

संस्थान ने बताया कि घने कोहरे में दृश्यता कम होने के कारण सड़क दुर्घटनाओं का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है, जो कभी-कभी जानलेवा भी साबित होती हैं। ऐसे में यह पहल एक स्पष्ट, व्यावहारिक और अनुकरणीय संदेश देती है कि जीवन अनमोल है सुरक्षा अपनाएं, सावधानी बरतें। संस्थान के फैकल्टी सदस्यों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने मिलकर वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप चिपकाने का अभियान चलायाइस अवसर पर छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों, स्टाफ एवं फैकल्टी ने ट्रैफिक नियमों का पालन करने का संकल्प भी लिया।

रोहतक। वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप चिपकाने का अभियान चलाते आईएचटीएम के प्रोफेसर व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

करें नियमों को पालन

- हेलमेट, सीट बेल्ट जैसे सुरक्षात्मक उपकरण जरूर इस्तेमाल करें।
- अत्यावश्यक होने पर ही यात्रा करें, अनावश्यक ड्राइविंग से बचें।
- गति सीमा में वाहन चलाएं, धीरे और सुरक्षित ड्राइव करें।
- लेन अनुशासन बनाए रखें और ओवरटेकिंग से बचें।

नारों से किया जागरूक

- "कोहरा है—रफ्तार नहीं!"
- "रिफ्लेक्टर लगाओ, जीवन बचाओ!"
- "धीरे चलो, सुरक्षित पहुंचो!"
- "सीट बेल्ट-हेलमेट: सुरक्षा की आदत!"
- "ट्रैफिक नियमों का पालन है आपकी और अपनों की सुरक्षा!"

ये रखें ध्यान: रिफ्लेक्टर टेप अवश्य लगाएं और वाहन की लाइट/इंडिकेटर ठीक रखें। इस अवसर पर निदेशक प्रो. (डॉ.) आशीष दहिया के नेतृत्व में प्रो. संदीप मलिक, डॉ. संजीव, डॉ. शिल्पी, डॉ. अनूप, डॉ. सुमेघ सहित अन्य फैकल्टी सदस्य भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता केवल संदेश तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे व्यवहार में लाकर ही दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। संस्थान की ओर से यात्रा सुरक्षा को जन-आंदोलन बनाने हेतु सड़क सुरक्षा के नारे भी दिए गए। आईएचटीएम ने नागरिकों से अपील की कि सर्दियों के इस मौसम में सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। छोटी-छोटी सावधानियां जैसे रिफ्लेक्टर टेप लगाना, गति नियंत्रित रखना और ट्रैफिक नियमों का पालनअनेक बहुमूल्य जीवन बचा सकती हैं।

आदर्श हत्याकांड में दो और गिरफ्तार

बहादुरगढ़। आदर्श हत्याकांड में सेक्टर-6 थाना पुलिस ने दो और आरोपी गिरफ्तार किए। दोनों नाबालिग आरोपियों को बाल सुधार गृह भेज दिया है। मामले में अब तक कुल छह गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, जांच जारी है। दरअसल, बीते शनिवार को क्रिकेट में विवाद को लेकर कई युवकों ने महावीर पार्क में नहर के पास आदर्श व अफजल पर रॉड व डंडों से हमला कर दिया था। हमले में दोनों को गंभीर चोट आई और आदर्श की जान चली गई। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने जांच शुरू की। मामले में कई युवकों के नाम सामने आए। इनमें से पुलिस ने चार आरोपियों को पहले गिरफ्तार किया और पूछताछ के बाद वे जेल भेज दिए। इसके बाद पुलिस ने अब दो और आरोपियों को काबू किया है। ये दोनों आरोपी नाबालिग हैं। पूछताछ के बाद दोनों बाल सुधार गृह भेज दिए हैं।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
Nursing Staff 4
ICU Staff 6
PRO/Marketing Executive 6
Ward Boy 2
Gate Keeper 2
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
Latest MRI & Multi Slice CT SCAN
Neuro Surgery
General Medicine
General Surgery
Orthopedics
ब्रेन, रीढ़ की हड्डियों का ईलाज
दूरबीन द्वारा सभी बिमारियों के ऑपरेशन
पेट, छाती से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज
फौजी भाईयों का इलाज
ECHS
हरियाणा सरकार
आयुष्मान भारत
ESIC
के पैनल पर
DR. BALKISHAN GOEL
M.B.B.S, M.S, M.CH.
TRAUMA CENTRE, ICU & CRITICAL CARE
NEURO-ICU, GENERAL ICU, HOU (HIGH DEPENDANCY UNIT) जहर POISIONING CASE
24 HRS LAB/CAFE/PHARACY/AMBULANCE

खबर संक्षेप

गोयल क्रिकेट क्लब बी ने 83 रनों से दर्ज की जीत

रोहतक। विश्वकर्मा क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में गोयल क्रिकेट क्लब बी ने गोयल क्रिकेट क्लब को 83 रनों से हराकर जीत दर्ज की। क्लब बी ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने 35.3 ओवर में 158 रन बनाए। टीम के बल्लेबाजों में नितिक पंघाल, नमन सिसोदिया और कप्तान परिक्षित पूनिया ने 22-22 रन बनाए। गेंदबाजी में गोयल क्रिकेट क्लब के अभिनव गुप्ता ने 8.3 ओवर में 25 रन देकर 4 विकेट लिए और मयंक नेहरा ने 6 ओवर में 29 रन देकर 2 विकेट चटकाए। गोयल क्रिकेट क्लब की टीम 14 ओवर में मात्र 75 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। कप्तान ध्रुव की अगुवाई वाली टीम के लिए अर्जुन मोर ने सबसे ज्यादा 16 रन बनाए और अबीर हुडडा ने 10 रन बनाए। अन्य खिलाड़ी बडा स्कोर बनाने मे नाकाम रहे। गोयल क्रिकेट क्लब बी के परिक्षित पूनिया ने 7 विकेट झटके। गोयल क्रिकेट क्लब बी ने मुकाबला 83 रनों से जीत लिया। परीक्षित पूनिया को मैन ऑफ द मैच व बेहतरीन गेंदबाज घोषित किया गया। बेहतरीन बल्लेबाज नैतिक पंघाल रहे।

मदवि में नववर्ष मिलन समारोह मनाया

रोहतक। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय (एमडीयू) के कुलपति प्रो. राजबीर ने आज आयोजित नववर्ष मिलन समारोह में शिक्षकों एवं गैर-शिक्षक कर्मियों से शिक्षा के क्षेत्र को और अधिक सशक्त, गुणवत्तापूर्ण और प्रगतिशील बनाने का आह्वान किया। उन्होंने सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नए वर्ष को नई ऊर्जा, नए संकल्प और सकारात्मक सोच के साथ आरंभ किया जाए, ताकि विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर सके। कुलपति प्रो. राजबीर ने कहा कि शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारी विश्वविद्यालय की आधारशिला हैं।

समाधान शिविर:अधिकारियों को शिकायतों के शीघ्र निपटारे के निर्देश

रोहतक। लघु सचिवालय में वीरवार को समाधान शिविर आयोजित किया गया। जिसमें नागरिकों की शिकायतों की सुनवाई के दौरान संबंधित अधिकारियों को इन शिकायतों के शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए गए। शिविर में नगराधीश अंकित कुमार तथा जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल ने नागरिकों की शिकायतें सुनी।

उन्होंने शिकायतों की सुनवाई के दौरान मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन शिकायतों के शीघ्र निपटारे के बारे में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में प्राप्त होने वाली हर शिकायत को गंभीरता से लेते हुए यथाशीघ्र उचित निपटारा सुनिश्चित किया जाए।

नगराधीश और जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी ने सुनीं शिकायतें

रोहतक। समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनते नगराधीश अंकित कुमार तथा जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल।

इस अवसर पर डीएमसी जितेंद्र सिंह, यूएचवीबीएन के कार्यकारी अभियंता अनिल नागर, जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक, जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक वरिंद्र सिंह, हाइड्रोलॉजिस्ट दलबीर राणा, जिला समाज कल्याण अधिकारी महाबीर गोदारा, जिला सैनिक व अर्धसैनिक कल्याण अधिकारी विंग कमांडर गौरिका सुहाग, एलडीएम महाबीर प्रसाद, भाजपा के प्रतिनिधि एडवोकेट अंकुश बिड्डू सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शिकायतों के निपटारे की समीक्षा की जा रही

नगराधीश अंकित कुमार ने समाधान शिविरों की रि-ओपन हुई शिकायतों की समीक्षा करते हुए कहा कि अधिकारी मांग से संबंधित शिकायतों की सूची प्रोफार्मा में भरकर तुरंत भिजवाये ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके। नगराधीश ने कहा कि हर सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक जिला मुख्यालय एवं उपमंडल मुख्यालयों पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों का उद्देश्य एक छत के नीचे सभी विभागों से संबंधित समस्याओं अथवा शिकायतों का तुरंत उचित निदान करना है ताकि नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग कार्यालयों में न जाना पड़े। हरियाणा समाधान प्रकोष्ठ द्वारा निरंतर समाधान शिविरों की शिकायतों के निपटारे की समीक्षा की जा रही है।

नए साल के जश्न में नियम तोड़ने वालों पर सख्ती

167 वाहनों के चालान, शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले 83 चालकों पर की कार्रवाई

अलग-अलग स्थानों पर व्यापक नाकाबंदी रही | पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आई पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नव वर्ष 2026 की पूर्व संध्या पर कानून व्यवस्था और यातायात सुरक्षा बनाए रखने के लिए रोहतक पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आई। जिला पुलिस द्वारा शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर व्यापक नाकाबंदी की गई। इस दौरान यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में कुल 167 वाहन चालकों के चालान किए गए, जो बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ओवरस्पीड, गलत दिशा में वाहन चलाने, कागजात अधूरे होने सहित अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन कर रहे थे।

■ हर थाना की पुलिस ने अपने अपने एरिया में की सख्त कार्रवाई

वहीं शराब पीकर वाहन चलाने वाले 83 वाहन चालकों के भी चालान किए गए, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि नशे में वाहन चलाने वालों पर पुलिस की पैनी नजर रही। नव वर्ष की रात को देखते हुए रोहतक पुलिस ने शहर के मुख्य चौक-चौराहों, बाजार क्षेत्रों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, प्रमुख सड़कों और हाईवे पर विशेष नाकाबंदी की व्यवस्था की थी। यातायात पुलिस, थाना पुलिस और विशेष टीमें संयुक्त रूप से चेकिंग अभियान में लगी रहीं।

वाहन चालकों की ब्रेथ एनालाइजर से जांच की गई और संदिग्ध वाहनों की गहन तलाशी ली गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, नाकाबंदी का मुख्य उद्देश्य किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकना, सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना और आमजन को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना था। नववर्ष की रात को अक्सर लापरवाही और नशे में वाहन चलाने के मामले बढ़ जाते हैं, जिसे ध्यान में रखते हुए यह विशेष अभियान चलाया गया।

रोहतक। पुलिस अधिकारी जांच करते और गाड़ी की जांच करती पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

नियम तोड़ने वालों को छूट नहीं

पुलिस ने इस अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया है कि यातायात नियमों की अनदेखी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। पुलिस की जांच में सामने आया कि बड़ी संख्या में वाहन चालक शराब के नशे में वाहन चला रहे थे। ऐसे चालकों के न केवल चालान किए गए बल्कि उन्हें भविष्य में यातायात नियमों का पालन करने की सख्त चेतावनी भी दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शराब पीकर वाहन चलाना न केवल चालक के लिए बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों के लिए भी जानलेवा साबित हो सकता है।

एसपी के कड़े निर्देश

एसपी सुरेन्द्र सिंह भौरिया के निर्देशों के अनुसार जिले में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए आगे भी नियमित रूप से चेकिंग और नाकाबंदी की जाएगी। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य दंडात्मक कार्रवाई के साथ-साथ लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर चलाए गए इस विशेष अभियान से यह साफ है कि रोहतक पुलिस कानून व्यवस्था और यातायात सुरक्षा को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

नववर्ष पर एनएसएस शिविर का शुभारंभ

छात्राओं को दिया आत्मरक्षा का संदेश

■ विद्यालय प्रवक्ता अलका ने लिया पर्सनैलिटी डेवलपमेंट पर सत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कलानौर के परिसर में नववर्ष के अवसर पर सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर का शुभारंभ किया गया।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिविर के पहले दिन 1 जनवरी को छात्राओं को आत्म अनुशासन, समाज सेवा, साइबर सुरक्षा और आत्मरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी मधु ने बताया कि शिविर के पहले दिन छात्राओं ने विद्यालय परिसर की स्वच्छता कर समाज सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी कलानौर सुनीता चहल तथा विशिष्ट अतिथि एंप्लॉयमेंट ऑफिसर रितिका आर्य द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

आगामी छह दिनों की गतिविधियों की जानकारी दी

इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य देवेंद्र कटारिया, एनएसएस पीओ डॉ. मधुबाला एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। एंप्लॉयमेंट ऑफिसर रितिका आर्य ने छात्राओं को करियर निर्माण और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के विषय में मार्गदर्शन दिया। खंड शिक्षा अधिकारी सुनीता चहल ने एनएसएस वॉलंटियर्स से बोर्ड परीक्षाओं और सर्वांगीण विकास पर संवाद किया। एनएसक्यूएफ अध्यापिका अंजली ने साइबर अपराध और सोशल मीडिया से जुड़े खतरों से बचाव के उपाय बताए। विद्यालय प्रवक्ता अलका मदान ने पर्सनैलिटी डेवलपमेंट पर सत्र लिया। दोपहर बाद हेड कांस्टेबल संजय कुमार और सब इंस्पेक्टर बजेसिंह ने छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए। प्राचार्य देवेंद्र कटारिया ने कहा कि एनएसएस शिविर छात्राओं के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। शिविर संयोजक मधु ने आगामी छह दिनों की गतिविधियों की जानकारी दी और अतिथियों का आभार जताया।

शिविर में 36 लोगों ने किया रक्तदान

रोहतक। महामंडलेश्वर 1008 बाबा कर्णपुरी के अवतरण दिवस के पावन पर्व पर अम्बेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर की अध्यक्षता राष्ट्र देवो भवः मिशन के संस्थापक बावा सुखा शाह महाराज ने की। मिशन के सभी सदस्यों ने महामंडलेश्वर बाबा कर्णपुरी का स्वागत फूल मालाओं के साथ किया। सभी सदस्यों ने बाबा कर्णपुरी की को उनके अवतरणदिवस तथा नववर्ष पर शुभ कामनाएं दी।

पीजीआई ब्लड बैंक के सौजन्य से 36 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। बाबा कर्णपुरी एवं बावा सूखा शाह ने रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र तथा हेलमेट प्रदान कर सम्मानित किया और युवाओं को अधिक से अधिक रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर सुभाष गोगिया समाजसेवी, डॉक्टर रवि रंगा, कार्तिक पुरी, प्रवीण रंगीला, नंद किशोर कपूर, सुरिंदर कवातड़ा, पंकज कपूर, सरदार मनप्रीत सिंह एवं राजिंदर मनचंदा मौजूद रहे।

रोहतक। आयोजित शिविर में रक्तदाता को सम्मानित करते महामंडलेश्वर बाबा कर्णपुरी व बावा सुखा शाह महाराज।

संचालन प्रो. सुरेंद्र यादव ने किया

कार्यक्रम का संचालन प्रो. सुरेंद्र यादव ने प्रभावी और सुव्यवस्थित ढंग से किया। इस नववर्ष मिलन समारोह में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नए वर्ष में एमडीयू को प्रगति के नए शिखर पर पहुंचाने का संकल्प लिया।

रोहतक। आयोजित नववर्ष मिलन समारोह में गुरुवार को शिक्षकों एवं गैर-शिक्षक कर्मियों को सम्बोधित करते एमडीयू के कुलपति कुलपति प्रोफेसर राजबीर सिंह।

नववर्ष पर आर्य स्कूल मदीना के विद्यार्थियों ने अच्छी आदतें अपनाने का संकल्प लिया

महम। नववर्ष के मौके पर आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदीना में एक समारोह आयोजित किया गया। ठंड से बचाव के लिए विद्यार्थियों ने अलावा जलाए। विद्यार्थियों ने वर्ष 2025 की एक-एक बुरी आदत को प्रतीकात्मक रूप से अग्नि में अर्पित कर दिया और उनको त्यागने का संकल्प लिया। बच्चों ने नववर्ष 2026 में अच्छी आदतें अपनाने की शपथ ली। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने मनोरंजन हेतु विभिन्न खेलों में भाग लिया तथा सामूहिक लंच का आनंद लिया। विद्यालय प्रबंधन द्वारा अनुशासनप्रिय एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने अपने अध्यापकों के लिए आकर्षक शुभकामना कार्ड बनाकर उनके प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक दांगी ने कहा कि हमें आने वाले वर्ष में अधिक से अधिक मेहनत करने की आदत विकसित करनी चाहिए। ताकि ऐसा करने से हमारे विद्यालय का तथा हमारे परिवार का सम्मान और गौरव निरंतर बढ़ता रहे। इस अवसर पर समस्त अध्यापक एवं अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

प्रिंसिपल अशोक दांगी ने बच्चों से कहा कि मेहनत करने की आदत विकसित करें

हवन-यज्ञ के साथ सैनी एजुकेशन सोसाइटी ने किया नववर्ष का मंगलमय शुभारंभ

रोहतक। सैनी एजुकेशन सोसाइटी द्वारा नववर्ष 2026 के पावन अवसर पर सैनी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल परिसर में श्रद्धा एवं आस्था के साथ हवन-यज्ञ एवं वैदिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।

वैदिक मंत्रोच्चारण से संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मकता से ओत-प्रोत हो गया। सोसाइटी के प्रधान अवनीश कुमार सैनी ने सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा, संस्कार और समाज सेवा के मूल्यों को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। सोसाइटी के संरक्षक एवं पूर्व प्रधान धर्म सिंह दहिया ने नववर्ष को सामाजिक एकता, नैतिक मूल्यों और शैक्षिक प्रगति के लिए समर्पित करने का संदेश दिया।

सैनी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्राचार्य नीलम सैनी ने कहा कि यह पावन आयोजन शिक्षा और संस्कारों के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों, शिक्षाविदों एवं अतिथियों की उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन मां सरस्वती से समाज, शिक्षण संस्थानों और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ किया गया। इस अवसर पर सोसाइटी के पदाधिकारी, गवर्निंग बॉडी सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यगण एवं समस्त स्टाफ सदस्यगण उपस्थित रहे।

सरकार ने वोटों के लिए फर्जी राशन कार्ड बनाए : हुड्डा

रोहतक। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव में वोट हासिल करने के लिए लाखों फर्जी राशन कार्ड बनवाए और चुनाव के बाद उन्हें काटकर जनता के साथ धोखा किया।

डी-पार्क स्थित अपने आवास पर पत्रकार वार्ता में हुड्डा ने कहा कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2020-21 में हरियाणा में 11,09,865 राशन कार्ड थे, जो 2022-23 में बढ़कर 26,40,475 और 2024 में 51,96,380 हो गए। इसी तरह लाभार्थियों की संख्या 52 लाख से बढ़कर 2.13 करोड़ हो गई, यानी भाजपा ने 80 प्रतिशत हरियाणवियों को बीपीएल घोषित कर दिया। चुनाव के बाद देशभर में 41 लाख राशन कार्ड काटे गए, जिनमें हरियाणा में सबसे अधिक 13,43,474 कार्ड शामिल हैं। इससे 70 लाख से ज्यादा लोगों का राशन बंद हो गया। उन्होंने इसे भाजपा की वोट बैंक की राजनीति बताया। महिलाओं के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि भाजपा ने 85 लाख महिलाओं को 2100 रुपये मासिक देने का वादा किया था, लेकिन अब केवल 5 लाख महिलाओं को ही लाभ देने की बात कर रही है।

भर्तियों पर साधा निशाना

भर्तियों पर बोलते हुए हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार जानबूझकर हरियाणवी युवाओं को नौकरियों से बाहर कर रही है। विभिन्न भर्तियों में बाहरी उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी गई, जबकि हरियाणवियों का चयन बेहद कम रहा। उन्होंने एचपीयू, एचपीएससी, एसडीओ, एचसीएस, बीडीपीओ समेत कई भर्तियों का उदाहरण दिया और कहा कि पद जानबूझकर खाली छोड़कर युवाओं के हक छीने जा रहे हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

सम्मान

आरएसडीबीएम ट्रस्ट ने की पहल, घर-घर पहुंचकर उपहार में दिए पौधे

अनोखा सम्मान, सेवा की मिसाल: एक दिन में मनाया 950 बुजुर्गों का जन्मदिन

■ सुबह-सुबह जन्मदिन पर तोहफा पाकर बुजुर्गों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

श्री राम सरनदास भयाना मेमोरियल ट्रस्ट (आरएसडीबीएम ट्रस्ट) की ओर से एक दिन में रिकॉर्ड 950 बुजुर्गों का जन्मदिन मनाया गया। ट्रस्ट की ओर से रोहतक के साथ-साथ भाली, सैंपल, मायना, बसाना और आनंदपुर गांवों में बुजुर्गों का उनके जन्मिदन पर पौधे भेंट करके उन्हें नये साल और जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। ट्रस्ट की इस अनोखी पहल से पर्यावरण संरक्षण और बुजुर्गों का सम्मान करने का संदेश दिया गया। श्री राम सरनदास भयाना मेमोरियल ट्रस्ट के चेयरमैन सुमित भयाना ने बताया कि विशेषकर बुजुर्गों की सेवा के लिए ट्रस्ट की शुरुआत की गई थी और इस उद्देश्य को पूरा भी किया जा रहा है।

ट्रस्ट में रजिस्ट्रड सदस्यों में से करीब 950 ऐसे बुजुर्ग हैं, जिनका जन्मदिन एक जनवरी को हैं। ट्रस्ट की टीम ऐसे सभी बुजुर्गों के घर पहुंची और एक-एक पौधा भेंट किया। बता दें कि ट्रस्ट की ओर से रोहतक और आसपास के पांच गांवों में मरीजों को निशुल्क एंबुलेंस सेवा उपलब्ध करवाई जा रही है। किसी भी मरीज को अस्पताल में जाना है तो ट्रस्ट के फोन नंबर पर कॉल करके गाड़ी या एंबुलेंस की सेवा ले सकता है। सेवा का यह सिलसिला 7 साल से भी ज्यादा समय से चल रहा है। पहले ट्रस्ट ने एंबुलैंस सेवा सिर्फ रोहतक में शुरू की थी, अब यह शटल सेवा आसपास के पांच गांवों में भी चल रही है।

कड़कड़ाती ठंड में सेवा का जज्बा

श्री राम सरनदास भयाना मेमोरियल ट्रस्ट की टीम के करीब 16 सदस्य सुबह-सुबह ही बुजुर्गों का जन्मदिन मनाने निकल चुके थे। जनवरी की कड़कड़ाती हाड़ कंपाने वाली ठंड में भी सेवा का जज्बा जारी रहा। टीम के सदस्यों ने सभी 950 बुजुर्गों को घर घर जाकर उनके जन्मदिन की बधाई दी। सुबह-सुबह जन्मदिन पर तोहफा पाकर बुजुर्गों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। टीम में गौरव, धर्मेन्द्र सिंह, प्रमोद, दीपक, दिनेश, परवीन, मुकेश, रविंद्र, मोनू रोज, सतीश, रवि दूहन, धर्मेन्द्र राठी, अमित, आशीष, सुनील और मोनू शामिल रहे।

10 गाड़ियां और दो एंबुलेंस तैनात

श्री राम सरनदास भयाना मेमोरियल ट्रस्ट के पास कुल 10 गाड़ियां और 2 एंबुलेंस हैं, जो बुजुर्गों की सेवा के लिए तैनात रहती हैं। हालांकि ट्रस्ट में रजिस्टर्ड बुजुर्गों के लिए ही इस सेवा को रखा गया है, लेकिन महिलाओं के लिए ऐसी कोई बाध्यता नहीं है। किसी महिला को अगर अस्पताल इलाज करवाने जाना है तो ट्रस्ट के फोन पर कॉल करके गाड़ी या एंबुलैंस की सुविधा का लाभ उठा सकती हैं।

इलाज में देरी नहीं होने देंगे : सुमित भयाना

मेरे पिता श्री राम सरनदास भयाना के निधन के बाद मैंने बुजुर्गों की सेवा करने का संकल्प लिया। कारण यह था कि मेरे पिता जब बाथरूम में गिरे तो उन्हें अस्पताल ले जाने में थोडी देरी हो गई, यानी डॉक्टर के पास पहुंचने का उनका गोल्डन पीरियड खत्म हो गया था। उन्हें अस्पताल में मृत घोषित कर दिया। तभी से मैंने ठान लिया कि किसी भी बुजुर्ग की जान इलाज में देरी के कारण नहीं जान दूंगा। इसी लक्ष्य के साथ ट्रस्ट शुरू किया और हम अब बुजुर्गों की सेवा कर रहे हैं। सेवा से ही मन को शांति मिलती है।